>

Title: Need to take steps to protect the textile industries in Siricilla in Karimnagar, Andhara Pradesh.

श्री पोन्नम प्रभाकर (करीमनगर): महोदय, आपने मेरा करीम नगर क्षेत्र का महत्वपूर्ण मुद्दा उठाने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। तेलंगाना एरिया में करीम नगर में सिरिसिला एरिया है, वहां पूरे राज्य में 60 हजार पावर लूम्स हैं, तो करीमनगर के सिरिसिला एरिया में 30 हजार पावर लूम्स हैं। मैंने प्रधानमंत्री से ले कर अन्य अधिकारियों को भी रिप्रेजेंटेशन दिया है, लेकिन कुछ असर नहीं पड़ा। इसलिए मैं सदन में मौजूद कैबिनेट मिनिस्टर श्री सलमान खुर्शीद जी से आपके माध्यम से अनुरोध करता हूं कि यह मामला गंभीर है इसे नोट करके सरकार को भेजें। वर्ष 1997 के बाद से आज की तारीख तक हजार लोगों ने आत्महत्या की है, तो टेक्सटाइल इंडस्ट्री में 400 लोगों से ज्यादा सिरिसिला में मरे हैं। यह मेरा क्षेत्र है, इसलिए मुझे बहुत दुख होता है। वे लोग पावरलूम का अपग्रेडेशन चाहते हैं। बहुत बार हमने रीप्रजेंटेशन दिया है, लेकिन कुछ नहीं होता है सैंट्रल गवर्नमेंट की तरफ से कुछ किया जाना चाहिए। हाल ही में हम प्राइममिनिस्टर से भी जाकर मिले, यूपीए चेयरपर्सन से मिले, कन्सर्न टैक्सटाईल मिनिस्टर डॉ. के. सांबासिवा राव जी और प्रिविियस मिनिस्टर आनन्द शर्मा जी से भी मिले, एमओएस पनबाका लक्ष्मी जी से भी मिले, सब से मिले। मैं आपके माध्यम से हाउस का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि राज्य की आधा टेक्सटाइल इंडस्ट्री मेरे डिस्ट्रिक्ट में है और वहां के लोग खुदकुशी कर रहे हैं। मैं वहां की प्रजा का प्रतिनिधि हूं और मैं इसके लिए बहुत शर्मिन्दा हो रहा हूं। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में यह लाना चाहता हूं कि इसको टॉप प्रायोरिटी पर लेकर वहां अपग्रडेशन करे। इससे वहां क्वालिटी में इप्रूवमेंट होगा, प्रोडक्शन ज्यादा होगा और इससे लोगों को रोजगार मिलेगा। मेरी आपसे फिर एक बार विनती है कि सिरिसिला की टैक्सटाइल इंडस्ट्री को बचाइए और वहां के लोगों की खुदकुशी को रोकिए वरना सिरिसिला के पूरे के पूरे...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपकी बात संज्ञान में आ गयी है और सरकार ने भी आपकी बात को संज्ञान में ले लिया है।

श्री पोन्नम प्रभाकर : वहां की कला बहुत अच्छी है। 15 अगस्त को मैचबॉक्स में शाल डालकर हमने यूपीए चेयरपर्सन को वहां का शाल प्रज़ेंट किया था।...(व्यवधान)

सभापति महोदय: आपने अपनी बात कह दी है। धन्यवाद।

श्री आर. धुवनारायण।